ओमप्रकाश नाजवानी
सम्पादक

विज्ञापन हेतु
सम्पर्क करें।
9269214000
प्रति. बुक करावें

RNI No. : RAJHIN/2013/54948
Postal Regd. : RJ/AJ/210/2024-26

आगाज की आवाज

प्रतिस्पर्धा से दूर, खबरें भरपूर, आगाज हमारा, आवाज आपकी.....

www.aagajkiaawaj.com

वर्ष 12 | अंक 15 | पाक्षिक | अजमेर, 16 जुलाई 2025 | मूल्य 10 रूपये | कुल पृष्ठ 4

राज्यपालों की नियुक्ति, राज्यसभा सांसदों के नामांकन और संगठनात्मक बदलाव के बाद अब मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना

नई दिल्ली। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, नए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन और राज्यपालों में बदलाव के बाद अब केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में भी बदलाव हो सकता है। भाजपा के कई राज्यों में अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और इसके पूर्ण होते ही बदलाव की संभावना जताई जा रही है। हरियाणा और गोवा के लिए नए राज्यपाल नियुक्त किए जा चुके हैं जबकि लद्दाख को नया उपराज्यपाल मिला है। इसके साथ ही मोदी सरकार ने राज्यसभा के लिए उज्ज्वल निकम, मीनाक्षी जैन, हर्षवर्धन श्रृंगला और सी सदानंदन मास्टर को नामित किया है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि महत्वपूर्ण विभागों वाले अधिकांश मंत्रियों को पिछली मोदी सरकार से ही दोहराया गया है। हालांकि अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ व्यवस्था के कारण विदेश मामलों के साथ-साथ व्यापार और वाणिज्य जैसे क्षेत्रों को नई प्राथमिकता

के रूप में देखा जा रहा है, जिसके तहत मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि हर्षवर्धन श्रृंगला, जो अमेरिका में भारतीय राजदूत रह चुके हैं, को सांसद बनाए जाने का उद्देश्य मंत्रिमंडल में संभावित भूमिका हो सकता है। भाजपा के अंदरूनी हलकों में चर्चा है कि जिन राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल समाप्ति की ओर है, उन्हें संगठनात्मक पदों पर स्थान दिया जा सकता है। इसके अलावा, जदयू, लोक जनशक्ति पार्टी और टीडीपी जैसे सहयोगी दलों के नेताओं को भी मंत्रिपरिषद में स्थान देने पर विचार किया जा रहा है। इससे जदयू और लोजपा को बिहार चुनाव में फायदा मिल सकता है, वहीं टीडीपी दक्षिण भारत में भाजपा की एकमात्र सत्ताधारी सहयोगी पार्टी है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि आगे क्या होगा। राज्यपालों में बदलाव, नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को नई जिम्मेदारियों के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल-इन सभी पर निर्णय लिया जा सकता है। भाजपा अपने 37 में से आधे से अधिक राज्यों में अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर चुकी है और जल्द ही पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने की संभावना है।

छात्रा की आत्मदाह पर सियासी घमासान: राहुल गांधी ने ठहराया BJP सिस्टम को जिम्मेदार, धर्मेंद्र प्रधान ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण बयान

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर में एक कॉलेज की छात्रा ने यौन उत्पीड़न से परेशान होकर आत्मदाह कर लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राज्य की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी ने छात्रा की मौत को 'BJP के सिस्टम द्वारा की गई हत्या' करार दिया। दूसरी ओर, केंद्र सरकार में मंत्री और ओडिशा से सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी के बयान को सस्ती राजनीति बताया है।राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत, सीधे-सीधे BJP के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया। जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे।" राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने लिखा, "हर बार की तरह BJP का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। मोदी, ओडिशा हो या मणिपुर, देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं, और आप? खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए। भारत की बेटियों को सुरक्षा और इंसाफ चाहिए।"केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "राहुल गांधी और कांग्रेस का ओडिशा की बेटी के साथ हुए दुखद घटना पर ओछी राजनीति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। एक गंभीर और संवेदनशील मामले को राजनीतिक हथियार बनाना, राहुल गांधी की सस्ती मानसिकता को दर्शाता है। ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है।" धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह समय सस्ती राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने का है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपने गैर-जिम्मेदाराना बयान के लिए पीड़ित परिवार से माफी मांगनी चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने हमेशा महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए ठोस कदम उठाए हैं, जबकि कांग्रेस ने हर दुर्घटना को राजनीतिक अवसर में बदलने का प्रयास किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ओडिशा सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

हर महीने 1000 करोड़ की साइबर ठगी का शिकार हो रहे भारतीय, साउथ-ईस्ट एशिया से संचालित हो रहा ठगों का नेटवर्क

नई दिल्ली।बीते सालों में साइबर फ्रॉड की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार, भारतीयों को हर महीने हजार करोड़ से अधिक की चपत लग रही है। मंत्रालय का अनुमान है कि भारतीयों को निशाना बनाने वाले साइबर घोटालों का बड़ा हिस्सा साउथ-ईस्ट एशिया से आता है। इस साल जनवरी से मई के बीच ऑनलाइन घोटालों में हुए लगभग 7,000 करोड़ रुपये के नुकसान में से आधे से ज्यादा म्यांमार, कंबोडिया, वियतनाम, लाओस और थाईलैंड से संचालित नेटवर्कों के कारण हुआ है।भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ICCC) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ये घोटाले अक्सर हाई सिक्योरिटी वाले स्थानों से चलाए जाते हैं, जिनका नियंत्रण कथित तौर पर चीनी ऑपरेटरों के पास है। यहां तस्करी कर लाए गए लोगों में भारतीय भी शामिल हैं और उन्हें जबरन काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। इस साल साइबर धोखाधड़ी के विश्लेषण में सामने आया है कि ये भारतीय अर्थव्यवस्था को निशाना बना रहे हैं और देश को हर महीने लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। एक अधिकारी ने नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (CFCFRMS) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि जनवरी में साउथ-ईस्ट एशियाई देशों को 1,192 करोड़ रुपये, फरवरी में 951 करोड़ रुपये, मार्च में 1,000 करोड़ रुपये, अप्रैल में 731 करोड़ रुपये और मई में 999 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।कंबोडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में दिल्ली में भारत सरकार के साथ बैठक की और एक कार्ययोजना पर चर्चा की। यह बैठक विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कंबोडियाई अधिकारियों ने देश में इन घोटाला केंद्रों की सटीक जानकारी साझा करने का अनुरोध किया ताकि वे कार्रवाई कर सके। एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया एजेंसियों और बचाए गए लोगों की गवाही की मदद से भारत सरकार ने कंबोडिया में कम से कम 45, लाओस में पांच और म्यांमार में एक ऐसे घोटालेबाज की पहचान की है। यह भी पता चला है कि भारतीयों के अलावा इन घोटालेबाजों में अफ्रीकी देशों, पूर्वी एशियाई देशों, दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, यूरोप/उत्तरी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के लोग भी शामिल थे।एक जांच में साउथ-ईस्ट एशिया से संचालित तीन प्रमुख प्रकार के साइबर अपराध धोखाधड़ी का पता चला है। इसमें शेयर ट्रेडिंग/निवेश घोटाले, डिजिटल गिरफ्तारी, और कार्य-आधारित तथा निवेश-आधारित घोटाले शामिल हैं। भारत सरकार ने इन कार्यों के लिए भारतीयों की भर्ती करने वाले कई एजेंटों पर भी नजर रखी है। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र से 59 एजेंट, तमिलनाडु से 51, जम्मू और कश्मीर से 46, उत्तर प्रदेश से 41 और दिल्ली से 38 केंद्र सक्रिय हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एजेंटों के आंकड़ों से पता चलता है कि वे लाओस, म्यांमार और कंबोडिया के लिए सबसे ज्यादा लोगों को नियुक्त कर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने सबसे पहले यह खबर दी थी कि 5,000 से ज्यादा भारतीयों के कंबोडिया में फंसे होने की आशंका है, जहां उन्हें कथित तौर पर उनकी इच्छा के विरुद्ध बंदी बनाकर साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया गया था।सरकारी अनुमानों के अनुसार, इस साल मार्च से पहले के छह महीनों में भारतीयों से कम से कम 500 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी। इसके बाद केंद्र ने इस मुद्दे की जांच और खामियों की पहचान के लिए एक इंटर-मिनिस्ट्रीयल पैनल का गठन किया। पैनल ने बैंकिंग, आव्रजन और दूरसंचार क्षेत्रों में खामियों की पहचान की। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने विभिन्न राज्यों में स्थित पॉइंट-ऑफ-सेल (POS) एजेंटों के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी सिम कार्ड जारी करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की।रेस्क्यू किए गए और वापस लौटे लोगों के बयान दर्ज करने के बाद सरकार ने उनके कंबोडिया जाने के रास्ते का पता लगा लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह पाया गया है कि एजेंट सड़क मार्ग से लोगों को दुबई से चीन और कंबोडिया, तमिलनाडु से कंबोडिया, महाराष्ट्र से थाईलैंड और कंबोडिया, जयपुर से थाईलैंड और कंबोडिया, जयपुर से वियतनाम से बैंकॉक और कंबोडिया, दिल्ली से बैंकॉक और कंबोडिया, लखनऊ से बैंकॉक और कंबोडिया, केरल से वियतनाम और कंबोडिया, केरल से सिंगापुर और कंबोडिया तथा कोलकाता से वियतनाम और कंबोडिया भेज रहे हैं।

टेस्ला ने मुंबई में खोला पहला शोरूम, फडणवीस बोले- 'सही शहर और सही राज्य में पहुंची है टेस्ला'

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि टेस्ला ने सही शहर और राज्य का चयन किया है। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के लिए गर्व की बात बताया और कहा कि राज्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अग्रणी बन गया है।फडणवीस ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा बाजार है और महाराष्ट्र इसका केंद्र बनता जा रहा है। टेस्ला यहां लॉजिस्टिक्स और सर्विसिंग सिस्टम के साथ चार बड़े चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित कर रही है। भारत में टेस्ला वाई मॉडल लॉन्च कर रही है, जिससे इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि टेस्ला सिर्फ कार कंपनी नहीं है, बल्कि यह इनोवेशन और डिजाइन की वैश्विक पहचान है। टेस्ला जैसी कंपनियों के आगमन से भारत में तकनीकी विकास को गति मिलेगी। फडणवीस ने उम्मीद जताई कि टेस्ला महाराष्ट्र को अपनी विकास यात्रा का भागीदार बनाएगी। एलन मस्क लंबे समय से भारत में टेस्ला शोरूम खोलने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने आयात शुल्क को एक बड़ी बाधा बताया था।इस साल की शुरुआत में टेस्ला ने भारत में शोरूम प्रक्रिया शुरू की। अप्रैल में मस्क और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर सहयोग की बात हुई। इससे पहले फरवरी में मोदी ने अमेरिका यात्रा के दौरान मस्क से मुलाकात की थी। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल नीति और अधोसंरचना विकसित कर रही है, ताकि निवेशकों को लाभ मिल सके और राज्य में रोजगार के अवसर भी बढ़ें।

सम्पादकीय

बदलते समाज में हिंसा की ओर बढ़ते कदम

समाज आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां बदलाव की गति जितनी तेज है, उतनी ही उलझन भरी भी होती जा रही है। खासकर नई पीढ़ी यानी छात्रों के व्यवहार में जो आक्रोश, असहिष्णुता और हिंसक प्रवृत्ति उभर रही है, वह बेहद चिंताजनक है। जिन बच्चों के हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, जिनका मन सीखने, समझने और आगे बढ़ने के सपने बुनने में व्यस्त होना चाहिए, वहीं आज कुछ बच्चों के हाथों में हथियार और मन में प्रतिशोध पल रहा है। यह न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि पूरे समाज के नैतिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हाल की घटनाएं जैसे हरियाणा के हिसार में दो छात्रों द्वारा अपने प्रधानाचार्य की चाकू मारकर हत्या कर देना, किसी एक दिन की उपज नहीं है। बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाना, उनके व्यक्तित्व को सँवारना सदियों से शिक्षकों की भूमिका रही है। मगर आज वही बात किसी बच्चे को इतनी नागवार गुजरती है कि वह हत्या तक कर बैठता है। यह सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि यह उस गहरी सामाजिक और मानसिक गिरावट का संकेत है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आ रहे हैं। बदलते समय में मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे संसाधनों ने बच्चों को दुनिया से जोड़ने के बजाय एक आभासी घेरे में कैद कर दिया है। घरों में संवाद की जगह स्क्रीन ने ले ली है, और भावनात्मक शिक्षा की जगह तात्कालिक मनोरंजन ने कब्जा कर लिया है। परिणामस्वरूप, बच्चों के भीतर सहनशीलता कम हुई है और तर्क की जगह त्वरित प्रतिक्रिया ने ले ली है। कई बार वे यह तक नहीं समझ पाते कि किसी बात पर गुस्सा करना और उस पर प्रतिक्रिया देना दो अलग-अलग चीजें हैं। यही वजह है कि साधारण अनुशासनात्मक बात भी उन्हें हमला लगती है और वे आक्रामकता की राह पर चल पड़ते हैं।आज जरूरत है कि हम इस समस्या को सिर्फ कानून-व्यवस्था या स्कूल प्रबंधन तक सीमित न रखें। यह एक सामाजिक संकट है, जिसकी जड़ें परिवार, तकनीक, शिक्षा और सामाजिक मूल्यों में गहराई तक फैली हुई हैं। अभिभावकों को बच्चों के साथ समय बिताना होगा, शिक्षकों को संवाद की नई शैली अपनानी होगी और समाज को नैतिक शिक्षा के महत्व को दोबारा समझना होगा। वरना वह दिन दूर नहीं जब यह आग पूरे सामाजिक ताने-बाने को झुलसाकर रख देगी। इसके अलावा, मनोरंजन और मीडिया के नाम पर परोसे जा रहे हिंसक, आपराधिक और असंवेदनशील कंटेंट की भी समीक्षा जरूरी है, जो बच्चों के मन को अनजाने में प्रभावित करता है। साथ ही, स्कूलों को भी केवल परीक्षा परिणामों की दौड़ से ऊपर उठकर बच्चों के मानसिक और नैतिक विकास पर ध्यान देना होगा। सरकार को भी चाहिए कि वह पाठ्यक्रमों में जीवन मूल्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित सामग्री को शामिल करे। मनोवैज्ञानिक परामर्श स्कूल शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए ताकि बच्चों के भीतर की उलझनों को समय रहते पहचाना जा सके। समाज का भविष्य तब ही सुरक्षित रहेगा जब उसका वर्तमान जागरूक और जिम्मेदार होगा। हमें बच्चों को केवल जानकारी नहीं, बल्कि समझ, सहानुभूति और अनुशासन की भावना भी देनी होगी। वरना जो पीढ़ी कल देश को आगे ले जाने वाली थी, वह खुद समाज के लिए खतरा बन सकती है।

प्रेसिडेंसी स्कूल, अजमेर में अलंकरण समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

"प्रेसिडेंसी स्कूल बनाता है नेतृत्वकर्ताओं को" - प्राचार्य ए. पी. शर्मा

अजमेर। प्रेसिडेंसी स्कूल, अजमेर में सत्र 2025-26 के लिए अलंकरण समारोह बड़े ही उत्साह, गरिमा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एस.आर.के. पटनी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किशनगढ़ (अजमेर) के प्राचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद शुक्ल ने शिरकत की। मुख्य अतिथि का विद्यालय परिवार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य अतिथियों के स्वागत से हुई। जैसे ही अलंकरण समारोह का शुभारंभ हुआ, सभागार में उपस्थित अभिभावक, शिक्षक एवं छात्रगण गर्व, अनुशासन और सम्मान की भावना से ओतप्रोत हो उठे। सत्र 2025-26 के लिए नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को उनके पदों के अनुरूप सम्मानित किया गया। प्रत्येक सदस्य को मुख्य अतिथि डॉ. शुक्ला एवं विद्यालय के प्राचार्य व अकादमिक निदेशक ए. पी. शर्मा द्वारा सैश पहनाकर उनके कर्तव्यों का भार सौंपा गया। सभी सदस्यों ने 'ज्ञान के प्रति श्रद्धा' को विद्यालय का आदर्श मानते हुए अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की शपथ ली।इस अवसर पर पूर्व हेड बॉय मनरूप सिंह वधावन एवं हेड गर्ल खुशबू सैनी ने स्कूल ध्वज को नव-नियुक्त हेड बॉय रतीश डूडी एवं हेड गर्ल दिशा सुराणा को सौंपा। यह ध्वज हस्तांतरण समारोह नेतृत्व, जिम्मेदारी और विश्वास के भाव को दर्शाता है।मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश प्रसाद शुक्ल ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्र नेताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्षता, निष्ठा एवं उत्तरदायित्व के साथ करें। उन्होंने भारत के गौरवशाली इतिहास को शिक्षा में शामिल करने तथा विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षताओं से सुसज्जित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में निवर्तमान छात्र नेताओं ने नव-निर्वाचित परिषद को शुभकामनाएँ देते हुए प्रेरणास्पद विचार साझा किए। इसके बाद नवनियुक्त हेड बॉय एवं हेड गर्ल ने भी नेतृत्व की भावना से ओतप्रोत अपने विचार रखे। समारोह का संचालन देवांश शर्मा ने अत्यंत आत्मविश्वास और कुशलता के साथ किया।समारोह के अंत में विद्यालय के प्राचार्य एवं अकादमिक निदेशक श्री ए. पी. शर्मा ने उपस्थित अभिभावकों, अतिथियों तथा छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा -"प्रेसिडेंसी स्कूल में हम न सिर्फ शिक्षा देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को नेतृत्व, साहस, करुणा और उत्कृष्टता का पाठ भी पढ़ाते हैं। प्रेसिडेंसी स्कूल नेतृत्वकर्ता गढ़ता है।" कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों के चेहरों पर अपने बच्चों को सम्मानित होते देख गर्व और प्रसन्नता स्पष्ट झलक रही थी। निःसंदेह, यह अलंकरण समारोह विद्यालय के इतिहास में एक अविस्मरणीय दिन के रूप में स्मरणीय रहेगा।

गुरूपूर्णिमा पर उमड़ा आस्था का सैलाब, राजगढ़ धाम में पचास हजार श्रद्धालुओं ने किया गुरूपूजन

राजगढ़। ग्राम राजगढ़ स्थित मसाणिया भैरव धाम पर गुरुवार 10 जुलाई को गुरूपूर्णिमा महोत्सव धूमधाम व आस्था के साथ मनाया गया। बाबा भैरव व माँ कालिका के जयकारों से गूंजते मंदिर परिसर में 'सेन रत्न' चम्पालाल महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गुरू पूजन किया और वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस पावन अवसर पर पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने धाम पहुंचकर सर्व धर्म मनोकामना पूर्ण स्तम्भ की परिक्रमा की और अद्भुत चमत्कारी चिमटी प्राप्त की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चम्पालाल महाराज को गुरू पूर्णिमा पर शुभकामना पत्र भेजा जिसे केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग गिरिश बच्चानी की उपस्थिति में भेंट किया गया। देवनानी ने पत्र का वाचन भी किया। इस दौरान चम्पालाल महाराज के श्रीचरणों में पुष्प अर्पण कर माल्यार्पण के साथ गुरूपूजन भी किया गया। नाथूलाल सोलंकी व टीम द्वारा नगाड़ों की गूंज और भजन गायिका ज्योति सेनी की प्रस्तुति पर श्रद्धालु झूम उठे। महाराज ने प्रवचन में कहा कि "सच्चा सद्गुरू वही है जो अंधकार मिटाकर उजाले की ओर ले जाए।" उन्होंने स्पष्ट किया कि धाम पर कोई दान, चढ़ावा, पूजा सामग्री आदि स्वीकार नहीं की जाती। गुरूपूर्णिमा पर नशा मुक्ति रैली भी निकाली गई जिसमें श्रद्धालुओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। धाम पर व्यवस्था की कमान नसीराबाद पुलिस उपाधीक्षक जरनैल सिंह व कार्यपालक मजिस्ट्रेट ममता यादव के नेतृत्व में संभाली गई, जिसमें सदर थाना प्रभारी अशोक बिशु व चौकी प्रभारी हरी राठी सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा, "जो कुछ भी हूँ, वह राजगढ़ धाम की कृपा से हूँ।" देवनानी ने भी धाम से 23 वर्षों के जुड़ाव को भावुकता से साझा करते हुए भैरव बाबा की कृपा को जीवन की दिशा बताई। कार्यक्रम में मानसिंह रावत, रजी जाफरी, प्रेम सिंह गौड, विजय सिंह गौड, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, दिलीप राठी, विपुल सैनी सहित कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। व्यवस्थाओं में ओमप्रकाश सेन, रमेश सेन, अविनाश सेन, कैलाश सेन, कपिल सेन, मुकेश सेन सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सराहनीय भूमिका निभाई। गुरूपूर्णिमा महोत्सव का समापन 1100 दीपों से की गई महाआरती के साथ हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने गुरूचरणों में दीप अर्पित कर आध्यात्मिक ऊर्जा से स्वयं को आलोकित किया।

राम मंदिर पहुंचकर संतों का किया गुरु वंदन

किशनगढ़। गुरु पूर्णिमा पर्व के पावन अवसर पर गुरुवार को भाजपा पार्टी के निर्देशानुसार मनाए गए गुरु वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत किशनगढ़ के भाजपाइयों ने पुराना बस स्टैंड के पीछे स्थित श्री राम मंदिर पहुंचकर संत, महंत का गुरु वंदन व अभिनंदन किया। इस अवसर पर मदनगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष राखी शर्मा, राजू शर्मा, वरिष्ठ भाजपाई नेता किशन गोपाल दरगड, बनवारीलाल डागा, राजीव शर्मा, बलराम सैनी, डी.सी. अग्रवाल, मुन्नालाल शर्मा, प्रकाश शर्मा आदि ने श्री राम मंदिर महंत संतोष दास शरण महाराज का माल्यार्पण कर व शाल ओढ़ाकर आशीर्वाद लिया तथा उनके चरण पखार कर गुरु वंदना की।

शहीद भागचंद गुर्जर की तृतीय पुण्यतिथि पर टोकड़ा गांव में श्रद्धांजलि सभा, भजन संध्या और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

किशनगढ़। टोकड़ा गांव में अमर शहीद भागचंद गुर्जर की तृतीय पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मेला कमेटी के तत्वावधान में विशाल भजन संध्या, मेले और कबड्डी प्रतियोगिता सहित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्वामी नेकी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ। शहीद की स्मृति में आयोजित कार्यक्रमों में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाणा, विधायक विकास चौधरी, जिला सरपंच संघ अध्यक्ष हरिराम बाना, कांग्रेसी नेता शिव प्रकाश गुर्जर, रवि सिनोदिया, समाजसेवी भोजराज गुर्जर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने भाग लिया और शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। एडवोकेट राजेश गुर्जर टोकड़ा ने जानकारी दी कि 21 राजपूत रेजीमेंट में तैनात भागचंद गुर्जर 12 जुलाई 2022 को शहीद हुए थे। उनकी स्मृति में गांव में प्रतिवर्ष मेले और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

सुरेश सिंह रावत ने कार्यकर्ता संवाद में सुनी जनसमस्याएं, दिए त्वरित समाधान के निर्देश

पुष्कर। जल संसाधन मंत्री व पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने जॉलीवुड रिसोर्ट में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा आदि जनसमस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। पुष्कर कानस मार्ग पर जलभराव की शिकायत पर तुरंत प्रस्ताव बनाकर स्वीकृति की घोषणा की। घाटों पर रात्रि गश्त बढ़ाने और फोन नहीं उठाने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी। उन्होंने जलदाय विभाग से पेयजल संकट पर साप्ताहिक रिपोर्ट मांगी और किसी भी लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की बात कही। बिजली ट्रिपिंग की शिकायतों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए। कार्यकर्ताओं को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पेम्फलेट्स के जरिए उपलब्ध करवाई गई। रावत ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं, उनके सम्मान और समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता है।अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद रखें और समस्याओं का समय पर समाधान करें। जनता तक सरकार की योजनाएं पहुंचाने में कार्यकर्ता सेतु का काम करें। विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रांतियों का जवाब विकास कार्यों से दें। रावत ने कहा कि भाजपा "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। जनसेवा ही सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

हृदय रोग से बचाव व उपचार पर विशेषज्ञ की वार्ता, पेंशनर्स को दी जरूरी जानकारी

किशनगढ़। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा किशनगढ़ द्वारा पेंशनर्स के लिए विविध वार्ताओं की श्रृंखला में स्वास्थ्य संबंधी वार्ता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आचार्य धर्मासागर उच्च माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़ के सभा भवन में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मार्बल सिटी हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ नीरज सोमानी को आमंत्रित किया गया। वार्ता का विषय 'हृदय रोग से बचाव एवं उपचार' था। कार्यक्रम में मार्बल सिटी हॉस्पिटल से नीरज सोमानी के साथ प्रबंधक भूपेंद्र सिंह नरूका तथा मार्केटिंग मैनेजर सुदीप खोखर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन तथा प्रार्थना से हुआ। मंच पर चिकित्सा टीम के साथ पेंशनर समाज के अध्यक्ष मिलाप चंद जैन तथा संरक्षक रामचंद्र शर्मा उपस्थित थे। रामचंद्र शर्मा ने स्वागत करते हुए पेंशनर समाज की गतिविधियों की जानकारी दी। सुदीप खोखर ने वर्तमान समय में मार्बल सिटी हॉस्पिटल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा वरिष्ठ नागरिकों हेतु सुविधाओं को रेखांकित किया। नीरज सोमानी ने हृदय रोग से संबंधित वार्ता में हृदय रोग के कारण तथा निदान के साथ ही बचाव के विविध उपायों की जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का सुझाव देते हुए डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, मोटापा जैसी स्थितियों से बचने की सलाह दी। साथ ही हृदय रोग को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सक के परामर्श के अनुरूप कार्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों हेतु समय-समय पर अपेक्षित जांचों की जानकारी दी।नीरज सोमानी ने अचानक हृदयाघात होने की स्थिति में करणीय उपाय बताए और हृदयघात के बाद एक घंटे को 'गोल्डन ऑवर' बताते हुए तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने खानपान तथा रहन-सहन के बारे में भी पेंशनर समाज के सदस्यों को जागरूक किया। एक घंटे की वार्ता के पश्चात उन्होंने पेंशनर समाज के सदस्यों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर देकर संतुष्ट किया। नीरज सोमानी ने समय पर जांच कराने तथा दवा लेने के तरीकों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में पेंशनर समाज के अध्यक्ष मिलाप चंद जैन ने चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया। इस वार्ता में पेंशनर समाज की ओर से दीपक जौहरी, राधेश्याम गर्ग, नरेंद्र जोशी, प्रहलाद शर्मा, नीरज पवार, रमेश चंद्र त्रिपाठी, पी. डी. मुथा, प्रो. नवाल, प्रो. एस. के. बंसल, ओमप्रकाश पायक सहित 60 पेंशनर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन राजस्थान पेंशनर समाज के सचिव दिनेश चंद्र पारीक ने किया। सभी सदस्यों ने इस वार्ता को उपयोगी बताते हुए नीरज सोमानी द्वारा बताए गए उपायों की प्रशंसा की।

प्रेसिडेंसी स्कूल अजमेर में अखिलेश इनानी ने संभाला एचएम का पदभार

अजमेर। प्रेसिडेंसी स्कूल, अजमेर में एक महत्वपूर्ण अवसर पर अखिलेश इनानी ने हेडमास्टर (HM) के पद का कार्यभार ग्रहण किया। विद्यालय परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और इस नई शुरुआत को ऐतिहासिक बताया। अखिलेश इनानी शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम हैं। वे इससे पहले भी कई सुप्रसिद्ध और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में सेवाएं दे चुके हैं, जहाँ उन्होंने प्रशासनिक दक्षता, अनुशासन और नवाचार के माध्यम से शिक्षा स्तर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विद्यालय परिसर में आयोजित स्वागत समारोह के दौरान रैना बाजपेयी ने अखिलेश इनानी को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ए.पी. शर्मा ने कहा, अखिलेश इनानी जैसे अनुभवी एवं दूरदर्शी शिक्षक का विद्यालय में आना गर्व की बात है। विश्वास है कि उनके मार्गदर्शन में विद्यालय नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा। अपने स्वागत से अभिभूत अखिलेश इनानी ने कहा कि वे विद्यालय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों और आधुनिक शिक्षण विधियों के समन्वय से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्रों को साथ लेकर एक सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण बनाने का संकल्प लिया।

आलोचना पर आर-पार की नीति, इलेक्ट्रोपैथी परिषद ने दिखाया सेवा का रोडमैप

जयपुर। इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा परिषद, राजस्थान की दो दिवसीय साधारण सभा का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक में परिषद के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। साथ ही राज्य सरकार द्वारा गठित इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड को लेकर कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक संस्थाओं द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का कड़ा खंडन किया गया। सभा में चिकित्सा पद्धतियों के बीच समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। सभा मे वर्ष 2026 में जयपुर में राष्ट्रीय इलेक्ट्रोपैथी सेमिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान और पशु चिकित्सा में इसके महत्व को विषयवस्तु बनाया जाएगा। परिषद ने घोषणा की कि इस वर्ष 217 इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जयपुर में इन शिविरों की तैयारी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। अगस्त में जयपुर में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में इनकी विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी। बैठक में सभी जिलों से आए जिला सचिवों ने मैटी जयंती पर आयोजित शिविरों की जानकारी दी। बताया गया कि राज्य के 20 जिलों में 102 शिविर लगाए गए, जिनमें 17,342 रोगियों का उपचार किया गया। इन शिविरों में 78 स्वयंसेवी संस्थाओं ने आर्थिक सहयोग दिया, जबकि 186 इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों और 4,000 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने निःशुल्क सेवाएं दीं। उपमुख्यमंत्री, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, अनेक विधायक और स्वास्थ्य अधिकारियों ने इन शिविरों का उद्घाटन किया। परिषद ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि इलेक्ट्रोपैथी पर हो रहे दुर्भावनापूर्ण आक्रमण और बोर्ड गठन को लेकर किए जा रहे तथ्यहीन वक्तव्यों की निंदा की जाती है। परिषद ने कहा कि विज्ञान नवीन ज्ञान का माध्यम है और भारत हमेशा नए विचारों का स्वागत करता रहा है। इलेक्ट्रोपैथी भारत में आठ दशक से प्रचलित है और राजस्थान सरकार ने तीन दशक तक इसके अध्ययन के बाद 2018 में अधिनियम पारित कर अब बोर्ड का गठन किया है। परिषद ने राज्य सरकार के प्रयासों और बजट आवंटन के लिए आभार व्यक्त किया।सभा के दौरान परिषद के चुनाव भी हुए। हेमंत सेठिया को अध्यक्ष, देवराज पुरोहित और लुणेश मालवीय को उपाध्यक्ष, गोविंदलाल सैनी को सचिव, कुलदीप कुमार को सह सचिव और संजय शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विनय सिंह चौहान, हरि सिंह बुमरा, श्याम सुंदर पाटोदिया, नवनीत त्रिवेदी, नंदकिशोर कुमावत, शादाब अहमद, सुरेश जांगिड़ और रमेश सैनी का चयन हुआ। परिषद की सदस्य संख्या बढ़ने के कारण जिलों का भी विस्तार किया गया है। इलेक्ट्रोपैथी के प्रचार-प्रसार के लिए "स्वास्थ्य संवाद" कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। सभा के साथ 5 जुलाई को विश्वकर्मा रीक्रिएशन क्लब में पौधारोपण और योग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। योग में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया। पौधारोपण में नवग्रह वाटिका व औषधीय श्रेणी के 51 पौधे लगाए गए। पौधे विजेंद्र अरोड़ा द्वारा उपलब्ध कराए गए और कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पर्यावरण गतिविधि से जुड़े अशोक शर्मा और अन्य कार्यकर्ताओं ने वृक्ष पूजन कर उनके महत्व को रेखांकित किया।

गुरु पूर्णिमा पर ज्ञान, संवेदना और सेवा का संगम

बेटियां सीखीं सीपीआर, समझीं बदलाव और पाया स्वच्छता का संबल

किशनगढ़। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सखी सहेली वेलफेयर संस्था द्वारा जोगियों का नाडा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्कूल में सीपीआर ट्रेनिंग कार्यशाला, किशोरावस्था में होने वाले मानसिक व शारीरिक बदलावों पर जागरूकता, मासिक धर्म प्रबंधन पर संवाद, सेनेटरी किट वितरण और हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण किया गया।सीपीआर ट्रेनिंग कार्यशाला में संस्था की अध्यक्षा मंजू राठी ने बच्चों और स्टाफ को डमी के माध्यम से हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी। उन्होंने बताया कि सीपीआर बेसिक लाइफ सपोर्ट तकनीक का हिस्सा है, जिसे हर व्यक्ति को सीखना जरूरी है ताकि आपात स्थिति में समय रहते किसी की जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि यह तकनीक बिना डॉक्टर के भी सामान्य व्यक्ति द्वारा दी जा सकती है। बबीता संचेती ने बताया कि संस्था वर्षों से देशभर में सीपीआर ट्रेनिंग कार्यशालाएं आयोजित कर रही है। किशोरावस्था में होने वाले मानसिक तनाव पर मोटिवेशनल कार्यक्रम के दौरान बच्चों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलावों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि इन बदलावों को समझकर बच्चों को मानसिक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है ताकि वे आत्महत्या जैसे विचारों से दूर रह सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सके। इस अवसर पर मंजू राठी ने बच्चों को बताया कि किसी भी समस्या को मित्र, माता-पिता या शिक्षकों से साझा कर उसका समाधान पाया जा सकता है। मासिक धर्म और उसके प्रबंधन पर आयोजित कार्यक्रम में मंजू राठी ने किशोरियों को मासिक धर्म, स्वच्छता, सेनेटरी नैपकिन के प्रयोग व निस्तारण की जानकारी दी। बबीता अग्रवाल, रितु मेंघनानी और अन्य सदस्यों ने भी छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन की जानकारी भी दी गई। संस्था ने बताया कि 9 वर्ष से ऊपर की लड़कियों के लिए यह वैक्सीन उपलब्ध है और कई संस्थाएं इसे निशुल्क उपलब्ध करवा रही हैं। स्कूल स्टाफ को भी इस बारे में जागरूक करने का आग्रह किया गया। मासिक धर्म प्रबंधन को लेकर सेनेटरी किट का वितरण भी किया गया, जिसमें दो अंडरवियर और सैनिटरी नैपकिन शामिल थे। इसका उद्देश्य छात्राओं को संक्रमण से बचाव और स्वच्छता बनाए रखने में मदद देना रहा। मंजू राठी द्वारा रचित पुस्तक चुप्पी तोड़ो - खुलकर बोलो को भी स्कूल की लाइब्रेरी के लिए भेंट स्वरूप दिया गया। इस पुस्तक में किशोरियों और महिलाओं के लिए मासिक धर्म व अन्य बदलावों से संबंधित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। कार्यक्रम के अंत में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान मंजू राठी, बबीता संचेती, बबीता अग्रवाल, रितु मंघनानी, पुष्पा पातावत, शकुंतला टेलर सहित विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संत नागरी दास पैनोरमा की ओर गुंदोलाव झील में बंद पड़ी निर्माणाधीन पुलिया का कार्य पुन: होगा शुरू

किशनगढ़। गुंदोलाव झील के मौखम विलास से संत नागरी दास पैनोरमा तक पहुंचने वाली निर्माणाधीन पुलिया का बंद पड़ा कार्य एक बार फिर शुरू किया जाएगा। यह जानकारी भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में दी। पाटनी ने बताया कि भजनलाल सरकार द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग को पुलिया निर्माण हेतु छह करोड़ रुपये से अधिक राशि का कार्यादेश सितंबर 2024 में जारी किया गया था। कार्य को जून 2025 तक पूर्ण किया जाना था, लेकिन यह मार्च माह से ही ठप पड़ा हुआ है। पाटनी ने बताया कि इस कार्य को लेकर उन्होंने कई बार सहायक अभियंता रवि बंसल, अधिशासी अभियंता तथा अजमेर के अधीक्षण अभियंता गिरिराज गुप्ता से संपर्क किया, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। वहीं, ठेकेदार कंपनी मैसर्स गीता कंस्ट्रक्शन द्वारा अधूरा कार्य छोड़ने के पीछे विभागीय अधिकारी कोई स्पष्ट कारण नहीं बता पाए। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में असामाजिक तत्वों द्वारा संत नागरी दास पैनोरमा परिसर में की गई तोड़फोड़ के बाद अब राज्य सरकार द्वारा उसका जीर्णोद्धार किया जाएगा, जो पुलिया निर्माण के पश्चात ही संभव हो सकेगा। पैनोरमा का निर्माण 2018 में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा करवाया गया था, लेकिन सरकार बदलने के बाद इसकी देखरेख और विकास कार्य ठप हो गए थे। जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार अजीत कुमार बुंदेला की उपस्थिति में पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता प्रसंग सुनारिया ने भाजपा नेता महेंद्र पाटनी को भरोसा दिलाया कि विभाग शीघ्र ही पुलिया निर्माण का कार्य पुनः आरंभ करेगा।

पुष्कर-किशनगढ़ के 128 गांवों में 25,942 घरों को मिलेगा लाभ, मार्च 2027 तक पूर्णता का लक्ष्य

किशनगढ़ (अजमेर)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के सतत प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अजमेर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 365.85 करोड़ रुपये की बहुप्रतीक्षित पेयजल परियोजना को राज्य सरकार की स्वीकृति मिल गई है। यह योजना बिसलपुर जल प्रणाली से जिले के 202 मुख्य और 355 अन्य आबादियों को जोड़ते हुए घर-घर स्वच्छ जल पहुंचाने का कार्य करेगी। भागीरथ चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर जल' मिशन को साकार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों का उद्देश्य है कि अजमेर संसदीय क्षेत्र का कोई भी गांव जल संकट से जूझता न रहे। यह परियोजना न केवल स्वच्छ जल पहुंचाएगी, बल्कि क्षेत्र की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान सिद्ध होगी।यह परियोजना विशेष रूप से पुष्कर और किशनगढ़ क्षेत्र के 128 गांवों को कवर करेगी। इनमें 56 गांव पुष्कर-रूपनगढ़ उपखंड और 72 गांव किशनगढ़ व अराई उपखंड में स्थित हैं। लगभग 1600 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर 25,942 घरेलू नल कनेक्शन दिए जाएंगे। परियोजना की निर्धारित पूर्णता तिथि मार्च 2027 रखी गई है। इसमें एक वर्ष की डिफेक्ट लाइबिलिटी अवधि और 10 वर्षों तक संचालन एवं अनुरक्षण (O&M) की व्यवस्था भी शामिल है। परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक 100 से 200 किलोलीटर क्षमता के 50 उच्च जलाशयों (OHSR) का निर्माण किया जाएगा। ये जलाशय इन्दौली, देवपुरी, पांडरवाड़ा, जोरावर पूरा, गोठियाना, दोन्थली, गुंदली, धौलपुरिया, झाडोल, छोटालाम्बा, अमरपुरा, गोरधनपुरा, जूनदा, पारली, करडाला, खंडाच, करकेड़ी, खातोली, चीताखेड़ा, टोंकड़ा, ढाणी पुरोहितान, मालियों की बाड़ी, कोटड़ी, बाँसड़ा, रोड़वास, कांकनियावास, चुन्दड़ी, बीती, उदयपुर कला, मंडावरिया, जाटली, उंटड़ा, मुंडोती, डांग, गेहलपुर, रघुनाथपुरा, गोली, माला, चोसला, मगरा आदि गांवों में बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त कोटड़ी, अकोड़िया, अराई, सिंरोज, किशनगढ़, पाटन, रूपनगढ़, खेरिया की ढाणी, रलावता और बोराडा में 10 स्वच्छ जलाशयों (CWR) तथा कोटड़ी, सिंरोज, पाटन, रलावता और खेरिया की ढाणी में 5 नए पंप हाउस का निर्माण प्रस्तावित है।

गुरु पूर्णिमा पर पुष्कर में संतों का सम्मान, सुरेश सिंह रावत ने दिखाया संस्कृति के प्रति समर्पण

पुष्कर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में तीर्थराज पुष्कर में जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने संतजनों का विधिवत पूजन व सम्मान कर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश लेकर पहुंचे सुरेश सिंह रावत ने कहा कि "सनातन की रक्षा करने वाले संतों का सम्मान करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यही हमारे संस्कारों की पहचान है।" रावत ने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व भौतिकता की ओर अग्रसर है, ऐसे में संत समाज ही सनातन परंपरा, संस्कृति और मूल्यों की रक्षा कर रहा है। उनका मार्गदर्शन समाज के लिए दीपस्तंभ है। सुरेश सिंह रावत न केवल एक कुशल जनप्रतिनिधि हैं, बल्कि वे धर्म, संस्कृति और भारतीय परंपराओं के गहरे अनुयायी भी हैं। पुष्कर जैसे आध्यात्मिक व सांस्कृतिक नगर का प्रतिनिधित्व करते हुए वे निरंतर संत समाज के सान्निध्य में रहते हैं और सनातन मूल्यों को समाज में प्रसारित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन उनका संतों के चरणों में उपस्थित होना, मुख्यमंत्री का संदेश पहुंचाना और पुष्कर के विख्यात संतों का आत्मीय सम्मान करना उनके संस्कारशील व ऋषि परंपरा के प्रति समर्पित मन का परिचायक है। पुष्कर में संत सुदर्शन दास महाराज (हनुमान गढ़ी), नंदशरण राम महाराज (रामसखा आश्रम), भगवानदास महाराज (गुलाब दास आश्रम), हनुमाना राम महाराज (उदासीन आश्रम), मधुसूदन दास महाराज (दादू दयाल वामदेव आश्रम), अभीराम दास महाराज (गीता आश्रम), सांवरा महाराज (रावत मंदिर) सहित अनेक संतों का रावत ने माल्यार्पण कर, शॉल ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।इस अवसर पर कमल पाठक, अरुण वैष्णव, पुष्कर नारायण भाटी, भुवनेश पाठक, घनश्याम भाटी, धीरज जादम, अशोक पाराशर, अंशुमान पाराशर, धर्मेंद्र नागोरा, कमल रामावत, लक्ष्मी पाराशर, सुमन कुमावत, मोहन सिंह रावत, बने सिंह रावत, कमल सिंह रावत, हरिशंकर चौहान, मदन सांखला, सुरेश नागोरा, दामु पाराशर, लक्ष्मीकांत गौड़ सहित भाजपा पदाधिकारी, संत अनुयायी, गणमान्य नागरिक व सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। सुरेश सिंह रावत ने एक ओर जहां जल संसाधन, सिंचाई, शिक्षा व आधारभूत विकास कार्यों को गति दी है, वहीं भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा को प्रशासनिक व्यवस्था में स्थान दिलाने के लिए भी वे निरंतर सक्रिय हैं। उनकी यही संतुलित कार्यशैली उन्हें एक संस्कारवान जनसेवक बनाती है।

स्टेट हाईवे-02 को नेशनल हाईवे घोषित करने की मांग, भागीरथ चौधरी ने नितिन गडकरी को लिखा पत्र

दिल्ली/जयपुर/अजमेर। राजस्थान के समग्र और संतुलित विकास के लिए सड़क कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने एक बड़ी पहल की है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर राजस्थान स्टेट हाईवे संख्या 02 (दौसा - दूदू - नागौर मार्ग) को राष्ट्रीय राजमार्ग में क्रमोन्नत करने की मांग की है।भागीरथ चौधरी ने पत्र में उल्लेख किया है कि यह स्टेट हाईवे पूर्वी राजस्थान के दौसा और भरतपुर को पश्चिमी राजस्थान के नागौर व जोधपुर संभाग से जोड़ने का सीधा और व्यावहारिक मार्ग है। इस मार्ग के राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित होने से क्षेत्रीय आवागमन आसान होगा और यात्रियों को समय, ईंधन व धन की बचत होगी। भागीरथ चौधरी ने बताया कि इस मार्ग के उपयोग से अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात का बोझ भी कम हुआ है। यदि इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिया जाता है, तो न केवल यह एक वैकल्पिक सुरक्षित मार्ग बन जाएगा, बल्कि कानपुर, आगरा, भरतपुर जैसे शहरों को जोधपुर, नागौर व पंजाब से जोड़ने वाला प्रमुख गलियारा भी साबित होगा। भागीरथ चौधरी ने कहा कि इस प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग से अजमेर, नागौर, जयपुर, दौसा, टोंक, कोटा, पाली, बीकानेर, जोधपुर और जैसलमेर सहित कई लोकसभा क्षेत्रों के लाखों नागरिकों को फायदा मिलेगा। क्षेत्रीय व्यापार, कृषि व पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने आग्रह किया है कि इस महत्त्वपूर्ण सड़क मार्ग को वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में शामिल कर, राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की घोषणा की जाए ताकि इसके शीघ्र क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो सके।

गुरु पूर्णिमा पर योग यज्ञ और भावभक्ति से किया गया गुरुवंदन

किशनगढ़। पतंजलि योग समिति किशनगढ़ के पांचों संगठन भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, पतंजलि, महिला पतंजलि योग समिति, युवा भारत के सदस्यों ने मिलकर भारतीय सनातन संस्कृति के गौरवशाली पर्व गुरु पूर्णिमा पर्व को हर्षोल्लास से मनाया। सर्वप्रथम योगाचार्य सरोज मालू ने दीप प्रज्वलन कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां प्रदान कर अग्निहोत्र करवाया। अपने गुरु योगऋषि स्वामी रामदेव और संगठन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए संरक्षक प्रकाश गंगवाल, प्रभारी सरोज शर्मा और प्रभुदयाल कुमावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को योग, प्राणायाम, ध्यान और यज्ञ की आवश्यकता है। कोषाध्यक्ष सीमा वार्ष्णेय, सहप्रभारी मंजू कुमावत, संगठन मंत्री सुमन शर्मा, मुख्य योग शिक्षक संगीता अग्रवाल ने योग यात्रा के अनुभवों को सुनाते हुए भाव विभोर होकर अपने गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। राजरानी, सुमित्रा शर्मा, सुनीता सेक्सरिया, मंजू मेवाड़ा, मंजू राठी, बीना तिवारी ने गुरु भक्ति के सुंदर गीतों से गुरु के प्रति आभार प्रकट किया। युवती प्रभारी अंजली अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, मधु लखोटिया, ममता सोमानी ने माला पहनाकर योग गुरुओं का स्वागत किया।अंत में जिला प्रभारी सरोज मालू ने कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया और अधिक से अधिक भाई-बहनों को योग से जोड़कर रोग और दवामुक्त जीवन जीने को प्रेरित किया। चंदू शर्मा ने बताया कि योग पीठ हरिद्वार से निःशुल्क ऑनलाइन चिकित्सा परामर्श सेवा भी हाल ही में प्रारंभ की गई है। मीडिया प्रभारी रितू मंघनानी ने जानकारी दी।

स्वामित्व, प्रकाशक ओमप्रकाश नाजवानी के लिए मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419/30 ब्रह्मपुरी, चर्च के पास, जयपुर रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित कर आगाज की आवाज (पाक्षिक) कार्यालयः 1-जे-16 न्यू हाऊसिंग बोर्ड, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। - सम्पादक ओमप्रकाश नाजवानी